

**झूमना अ.क्रि.** (देश.) 1. लहराना, इधर-उधर हिलना-डुलना 2. नशे में लड़खड़ाना।

**झूमर पुं.** (देश.) 1. सिर पर पहनने वाला आभूषण (गहना) 2. कान में पहनने वाला झुमका 3. एक प्रकार का गीत जो होली के अवसर पर गाया जाता है 4. जमघटा, जमघट प्रयो. झूमर डालना, झूमर पड़ना।

**झूमरा पुं.** (देश.) संगीत का एक ताल वि. झूमने वाला।

**झूमरि स्त्री.** (देश.) दे. झूमर।

**झूमरी स्त्री.** (देश.) शालक राग का एक भेद।

**झूरा पुं.** (देश.) 1. सूखा स्थान 2. जलवृष्टि का अभाव। मुहा. झूरा पड़ना-सूखा पड़ना प्रयो. इस वर्ष हमारे प्रांत में झूरा पड़ गया।

**झूल स्त्री.** (देश.) 1. हाथी, बैल, घोड़े आदि की पीठ पर सजावट के लिए डाला गया सुंदर कपड़ा 2. ढीला- ढाला पहनावा 3. शीत के कारण पशु के ऊपर डाला गया सादा कपड़ा मुहा. गधे पर झूल पड़ना- अयोग्य अथवा कुरूप व्यक्ति के शरीर पर बहुमूल्य वस्त्र होना।

**झूलन पुं.** (देश.) 1. झूलने का उत्सव 'हिंडोल' 2. एक प्रकार का गाना।

**झूलना अ.क्रि.** (देश.) 1. झूलने के लिए पेंग लेना, लटकना 2. किसी आशा में लटके होना वि. झूलने वाला, झूलना या झूलता पुं. एक प्रकार का छंद, पुल।

**झूलनी वि.** (देश.) झूलने वाली।

**झूलर पुं.** (देश.) झुंड, जमघट।

**झूला पुं.** (तद्.) 1. झूलने का साधन 2. हिंडोला 3. झूलने वाला पुल जैसे- लक्ष्मण-झूला।

**झूलाना स.क्रि.** (देश.) झूलाना, झूलाने की क्रिया या भाव।

**झूनि स्त्री.** (तद्.) दे. झूणि।

**झूलो स्त्री.** (देश.) अनाज ओसाने का कपड़ा।

**झेंप स्त्री.** (देश.) 1. लाज, शर्म, संकोच, लज्जा 2. हिचक, झिझक।

**झेंपना अ.क्रि.** (देश.) शरमाना, लज्जित होना।

**झेंपू वि.** (देश.) शरमीला, झेंपने वाला, संकोची।

**झेंलनी स्त्री.** (देश.) एक प्रकार की जंजीर जो कान के गहने का भार संभालने के लिए बालों में अटकाई जाती है।

**झेपना अ.क्रि.** (देश.) दे. झेंपना।

**झेरना अ.क्रि.** (देश.) 1. झेलना, सहना 2. छेड़ना, शुरू करना, आरंभ करना।

**झेल स्त्री.** (देश.) 1. झेलने, सहने की क्रिया या भाव 2. तैरने में हाथ-पैर से पानी हटाने या फेंकने की क्रिया।

**झेलना स.क्रि.** (देश.) 1. अपने ऊपर लेना, सहना, बरदाश्त करना 2. तैरते समय पानी को हाथ-पैरों से इधर-उधर हटाना 3. पानी को हाथ-पैर से हिलाना 4. पानी में हिलकर पार जाना 5. हज़म करना, ग्रहण करना 6. ठेलना, आगे चलाना, ढकेलना।

**झोंक स्त्री.** (देश.) 1. झुकाव, प्रवृत्ति 2. तराजू के किसी पलड़े का किसी एक ओर अधिक झुकना या झुकने का भाव या क्रिया मुहा. झोंक मारना- डांडी मारना, कम तौलना प्रयो. यह दुकानदार प्रायः झोंक मारता है 2. भार, बोझ 3. वेग, झटका, 4. आवेश प्रयो. 1. सारी झोंक तो पिता जी की मुझे ही सहनी पड़ती है 2 झोंक में आकर रामू ने घर का सारा काम कर डाला, झोंक-झोंक-ठाट बाट की धुन, धूमधाम, झोंका।

**झोंकना स.क्रि.** (देश.) 1. वेगपूर्वक किसी वस्तु को आगे फेंकना, फेंक कर छोड़ना प्रयो. आँख में धूल झोंकना मुहा. भाड़ झोंकना- बेकार का काम करना प्रयो. वह दिल्ली गया, कमाकर कुछ नहीं लाया, मानो दिल्ली गया और भाड़ झोंकता रहा 2. ढकेलना प्रयो. उसे तो तुमने आगे और आगे ही झोंक दिया 3. अंधाधुंध खर्च करना शादी-विवाह में रुपया झोंकना 4. बरबाद करना 5. मढ़ना, आरोपित करना-सुधीश ने सारा आरोप